



SHRI PAWAR POPATRAO BHAGUJI

Shri Pawar Popatrao Bhaguji is a farmer and sarpanch of Hiware Bazar panchayat in Ahmednagar district of Maharashtra. He also serves as the Executive Director of Maharashtra State Government's Model Village programme. He is credited to have transformed it from an impoverished village into a model of development that the government of Maharashtra wishes to implement across the state.

2. Born on 1st June, 1958, Shri Bhaguji took over as the sarpanch of Hiware Bazar in 1989, the village of Maharashtra at that time, was struggling with frequent droughts, low agricultural yield, lack of resources and an alcohol problem. Looking at the grim state of the village, he decided to take things in his hands and came up with a village development program. Inspired by Shri Anna Hazare, Shri Bhaguji started a rainwater harvesting, watershed conservation and management programme in Hiware Bazar. These programmes, along with the planting of lakhs of trees, have been credited for transforming Hiware Bazar into the "green model village". From just 90 wells in the 1990s, Hiware Bazar today has around 294 water wells. The solution of water problem of the village's with the help of contour trenches to recharge groundwater also revived farming as a source of income. Villagers abandoned the use of water-intensive crops and also began to focus on cattle farming. This, in turn, brought in huge revenue from milk production.

3. Shri Bhaguji has also banned alcohol in the village, made HIV test mandatory before marriage, and turned it into a nearly mosquito-free area. All these policies together turned Hiware Bazar into a self-sufficient, clean and green village. The villagers today boast of bustling markets, perfect roads, well-built houses, and a sustainable water management system. Open defecation and tobacco consumption is also strictly prohibited in the village with a ban on deforestation, grazing, and tube wells for irrigation.

4. Shri Bhaguji has received various honours and awards. The Hiware Bazar gram panchayat, with Shri Bhaguji as its sarpanch, won the first National Award for community led water conservation in 2007. He featured in an India Today cover story as the person who demonstrated how rural water resources could be revived.





श्री पवार पोपटराव भागुजी

श्री पवार पोपटराव भागुजी महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के हिवड़े बाजार पंचायत के किसान और सरपंच हैं। वह महाराष्ट्र राज्य सरकार के मॉडल विलेज प्रोग्राम के कार्यकारी निदेशक के रूप में भी काम करते हैं। उन्हें एक गरीब गांव को विकास के एक ऐसे मॉडल में बदलने का श्रेय दिया जाता है, जिसे महाराष्ट्र सरकार पूरे राज्य में लागू करना चाहती है।

2. 1 जून, 1958 को जन्मे, श्री भागुजी ने 1989 में हिवड़े बाजार के सरपंच के रूप में उस समय कार्य संभाला, जब महाराष्ट्र का यह गाँव लगातार सूखे, कम कृषि उपज, संसाधनों की कमी और शराब की समस्या से जूझ रहा था। गाँव की गंभीर स्थिति को देखते हुए, उन्होंने समस्याओं को सुलझाने की जिम्मेवारी अपने हाथों में ली और गाँव विकास कार्यक्रम की बात सामने रखी। श्री अन्ना हजारे से प्रेरित होकर श्री भागुजी ने हिवड़े बाजार में वर्षा जल संचयन, जलाशय संरक्षण और प्रबंधन कार्यक्रम शुरू किया। लाखों पेड़ों के रोपण इन कार्यक्रमों के कार्य के साथ को, हिवड़े बाज़ार को "ग्रीन मॉडल विलेज" में बदलने का श्रेय दिया गया है। 1990 के दशक में सिर्फ 90 कुओं के मुकाबले, आज हिवड़े बाजार में लगभग 294 पानी के कुएं हो गए हैं। भूजल संचयन करने के लिए ऊंचाई पर बनाई गई खाइयों की मदद से गाँव में पानी की समस्या दूर की गई और खेती दोबारा आय का साधन बन गई। ग्रामीणों ने अधिक जल प्रयोग वाली फसलों को छोड़ दिया और मवेशियों के पालन पर भी ध्यान देना शुरू किया। इसके फलस्वरूप, दूध उत्पादन से काफी कमाई होने लगी।

3. श्री भागुजी ने गाँव में शराब पर भी प्रतिबंध लगा दिया है, विवाह से पहले एचआईवी जांच को अनिवार्य बना दिया है और गांव को लगभग मच्छर मुक्त क्षेत्र में बदल दिया है। इन सभी नीतियों ने हिवड़े बाजार को एक आत्मनिर्भर, स्वच्छ और हरे–भरे गाँव में बदल दिया। ग्रामीणों के पास आज चहल–पहल से भरे बाजार, उत्तम सड़कें, अच्छे बने हुए मकान और एक स्थायी जल प्रबंधन प्रणाली है। गाँव में खुले में शौच और तम्बाकू सेवन पर भी सख्तु पाबंदी है, और वनों की कटाई, चराई और सिंचाई के लिए नलकूपों पर प्रतिबंध है।

4. श्री भागुजी को अनेक सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। सरपंच के रूप में श्री भागुजी के साथ हिवड़े बाजार ग्राम पंचायत ने, 2007 में सामुदायिक नेतृत्व में जल संरक्षण के लिए पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। उन्होंने इंडिया टुडे के मुख्य लेख में ऐसे व्यक्ति के रूप में स्थान मिला, जिसने यह दर्शाया कि किस प्रकार ग्रामीण जल संसाधनों को पुनर्जीवित किया जा सकता है।